International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 4, April- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

ग्रामीण उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी स्कूलों के छात्र एवं छात्राओं की सामाजिक समायोजन पर शैक्षिक वातावरण का प्रभाव (उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर शहर पर किया एक सर्वेक्षणात्मक अध्ययन)

रेखा शर्मा, शोधार्थिनी, शिक्षा विभाग, जे एस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद
डॉ संदीप शांडिल्य, पूर्व प्रोफ, व्यवसाय प्रशासन विभाग, डी एस कॉलेज, अलीगढ
डॉ नीलम कैथल, प्रोफ, शिक्षा विभाग, जे एस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद

(सारांश)

यह शोध पत्र ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित उच्चतर माध्यमिक सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र और छात्राओं की सामाजिक समायोजन पर शैक्षिक वातावरण के प्रभाव के मुद्दे पर केंद्रित है। यह अध्ययन भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के बुलंदशहर शहर के ग्रामीण क्षेत्रों के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों पर किया गया है। अध्ययन में सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों पर विचार किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से 75 छात्रों और 75 छात्राओं प्रत्येक का एक नमूना लिया गया है। अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि छात्र और छात्राओं की सामाजिक समायोजन पर शैक्षिक वातावरण का उच्च प्रभाव है, इसके अलावा इस मुद्दे पर छात्र और छात्राओं के विचारों के बीच घनिष्ठ संबंध है।

कुंजी शब्द: उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शैक्षिक वातावरण, सामाजिक समायोजन

1.0 प्रस्तावना:

प्रस्तुत शोध पत्र में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सामाजिक समायोजन पर शैक्षिक वातावरण पर प्रभाव का अध्ययन किया गया है। स्कूल का शैक्षिक वातावरण विद्यार्थी के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयी शिक्षा व्यक्ति के शैक्षिक और समग्र विकास का एक महत्वपूर्ण चरण प्रस्तुत करती है। यह

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 4, April- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

कहना अनुचित नहीं होगा कि शैक्षिक वातावरण विद्यार्थी की सामाजिक समायोजन के संदर्भ में उसके विकास का सबसे महत्वपूर्ण निर्धारक है।

हमारे देश में शिक्षकों का महत्व समाज में सर्वोपरी माना गया है। प्राचीन शिक्षा प्रणाली में गुरू के साथ शिष्य आश्रम में रहकर ज्ञान की प्राप्ति करते थे परन्तु समय के साथ इस व्यवस्था में बहुत परिवर्तन आया है और वर्तमान समय में आश्रम में नहीं बल्कि आधुनिक समय में ज्ञान के लिए आश्रमों के स्थान पर विद्यालयों की व्यवस्था है। इस नये प्रारूप में विद्यार्थी और गुरू साथ -साथ नहीं रहते बल्कि उनके मिलने का स्थान मुख्यतः विद्यालय है। आश्रम व्यवस्था में विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ - साथ अपने अन्य सभी कार्य करने होते थे जैसै व्यवस्था में योगदान देना व आश्रम के अन्य सभी कार्यों में भाग लेना आदि । किन्तु वर्तमान समय में विद्यार्थी अपने घरों से विद्यालय आते है और अध्ययन के उपरान्त अपने घरों को वापस चले जाते है यह कहना अतिश्योक्ति न होगी कि आश्रम व्यवस्था में शैक्षिक वातावरण का सबसे बड़ा कारण गुरू होते थे,क्योंकि शिष्य हर समय गुरू के ही सानिध्य में रहते थे। इस व्यवस्था में शैक्षणिक वातारण का दूसरा प्रमुख स्तम्भ आश्रम हुआ करता था। वर्तमान के परिपेक्ष में शैक्षिक वातारण में अन्य कई कारण जुड़ गये है जैसै कि विद्यालय का मूल भूत ढाँचा, पुस्ताकालय की व्यवस्था, कम्प्यूटर लैब, खेल का मैदान , प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था आदि। यह सत्य है कि आज भी शैक्षणिक वातारण का प्रमुख स्तम्भ गुरू ही है परन्तु यह भी सच है कि शैक्षिक वातारण के अन्य बिन्दु भी अत्यन्त अनिवार्य हो गये हैं। जिनका वर्णन उपरोक्त किया जा चुका है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 4, April- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

2.0 साहित्य की समीक्षा

एडगर्टन ई एवं मक्केचन्ये (2023) ने अपने शोध में पाया कि सामाजिक-आर्थिक स्थिति, लिंग और स्कूल में उपस्थिति जैसे चरों के माध्यम से शैक्षणिक उपलब्धि का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। **रितेश वर्मा एवं अन्य (2023)** ने अपने शोध में छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर आभासी शिक्षण वातावरण के प्रभाव को जानने का प्रयास किया। शोध में शैक्षणिक उपलब्धि पर आभासी शिक्षण वातावरण के सकारात्मक प्रभाव को पाया गया है। **राजपूत प्रिया एवं बाला इंदु (2023)** इस शोध में लिंग और स्कूल के प्रकार के संदर्भ में शैक्षिक समायोजन की जांच करने का भी प्रयास किया। माध्य, एसडी और 'टी' परीक्षणों की गणना के आधार पर पाया गया कि कि शैक्षिक समायोजन सूची मैनुअल के मानदंडों के अनुसार माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में समायोजन का औसत स्तर ऊपर था। **मुनीर जावेरिआ (2023)** शोध परिणामों के अनुसार उच्च-सामाजिक आर्थिक छात्र शैक्षणिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। हालांकि, माता-पिता की भागीदारी और स्कूल के संसाधन SES और शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध को कम कर सकते हैं। **ईश्वरी, राजी एवं जेर्वेडा जे (2023)** ने अपने शोध में किशोरावस्था और सामाजिक वातावरण में समायोजन पर अध्ययन किया। किशोरावस्था विकास की एक महत्वपूर्ण अवस्था है, जिसमें किशोर कई शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक परिवर्तनों से गुजरते हैं और उन्हें माता-पिता, घर के बड़ों, भाई-बहनों, दोस्तों, साथियों, शिक्षकों और पर्यावरण में अन्य महत्वपूर्ण लोगों से मिलकर सामाजिक वातावरण में समायोजित करने की आवश्यकता पड़ती है। यदि किशोर इस आवश्यकता को पूरा करने में विफल रहता है , तो यह उनके सकारात्मक विकास में समस्या पैदा कर सकता **फ़याज़ आर (2023)** ने अपने शोध कार्य में माता-पिता के प्रोत्साहन का उनकी उच्च शैक्षणिक प्रगति और सामाजिक समायोजन पर प्रभाव का

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 4, April- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

अध्ययन किया। शोध कार्य में माता-पिता के प्रोत्साहन और शैक्षणिक उपलब्धि तथा शैक्षिक समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि में महत्वपूर्ण सकारात्मक सहसंबंध पाया गया। **खडका जे एवं अन्य (2024)** ने अपने शोध में नेपाली स्कूलों में वितरित नेतृत्व (डीएल) की स्थिति का आकलन किया और स्कूल के प्रदर्शन (शैक्षणिक वातावरण और उपलब्धि) पर इसके प्रभाव की जांच की। शोध के परिणामों में पाया गया कि डीएल के प्रति धारणा का स्तर काफी अधिक है। **अजपिआजु एल एवं अन्य (2024)** ने अपने शोध में किशोर स्कूल समायोजन पर अध्ययन किया। शोध के अनुसार उन चरों की पहचान करना आवश्यक है जो इसके सुधार में योगदान करते हैं और साथ ही उन चरों को जानना भी आवश्यक है जो कि इसको नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। **यशपाल आज़ाद (2024)** निष्कर्ष बताते हैं कि सामाजिक समायोजन के मामले में छात्रों ने छात्राओं से बेहतर प्रदर्शन किया। हालांकि, भावनात्मक और शैक्षिक समायोजन में लड़कों और लड़कियों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।

3.0 अध्ययन का नमूना:

वर्तमान अध्ययन बुलंदशहर जिले के ग्रामीण सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों को दिए गए एक संरचित प्रश्नावली के आधार पर किया गया है। अध्ययन की परिकल्पना का परीक्षण करने के लिए इन छात्राओं और छात्रों के उत्तरों को एकत्रित, विश्लेषित और व्याख्या किया गया है। अध्ययन के नमूने में 75 छात्राएं और 75 छात्र शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्र में स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का नमूना भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के बुलंदशहर जिले से लिया गया है। नमूना सरकारी स्कूलों से लिया गया है।

4.0 अध्ययन का उद्देश्य:

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 4, April- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

अध्ययन का उद्देश्य निम्नलिखित हैं: "ग्रामीण सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्राओं और छात्रों की सामाजिक समायोजन पर शैक्षिक वातावरण के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना" ।

5.0 अध्ययन की परिकल्पना:

उपरोक्त उद्देश्य के संबंध में अध्ययन की परिकल्पना इस प्रकार है: "ग्रामीण सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्राओं और छात्रों की सामाजिक समायोजन पर शैक्षिक वातावरण के प्रभाव के बीच कोई सार्थक अंतर नहीं है"

6.0 शोध विधि:

अध्ययन की परिकल्पना का परीक्षण करने के लिए प्रयोग किया गया सांख्यिकीय उपकरण काई -स्क्वायर परीक्षण है। यह परीक्षण यह जानने के लिए लागू किया जाता है कि क्या शैक्षिक परिपक्वता पर शैक्षिक वातावरण के प्रभाव के बारे में छात्राओं और छात्रों के विचारों के बीच कोई संबंध है।

7.0 डेटा विश्लेषण और व्याख्या:

अध्ययन के आंकड़ों का विश्लेषण और व्याख्या निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत की जा रही है, जो उत्तरदाताओं छात्रों एवं छात्राओं के प्रत्युत्तरों के प्रेक्षित मूल्य और अंकों के अपेक्षित मूल्य को दर्शाती है।

छात्रों एवं छात्राओं की सामाजिक समायोजन पर शैक्षिक वातावरण का प्रभाव- प्रेक्षित

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 4, April- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

आवृत्ति एवं अपेक्षित आवृत्ति तालिका

क्रम संख्या	मद	प्रेक्षित स्कोर		अपेक्षित स्कोर	
		छात्र	छात्र	छात्र	छात्रा
1	शैक्षणिक वातावरण का सामाजिक रूप से विकसित होने पर प्रभाव	62	72	64.02	69.97
2	शिक्षा का स्वयं को एक अच्छा नागरिक बनाने में योगदान	62	71	63.54	69.45
3	शैक्षणिक वातावरण का सामाजिक कार्यों के प्रति प्रेरणा में योगदान	67	69	64.98	71.017
4	शिक्षा का माता पिता के प्रति सम्मान की भावना को प्रेरित करने में योगदान	65	64	61.63	67.36
5	शैक्षणिक वातावरण का अपने गुरुजनों के प्रति आदर भाव रखने और उनकी आज्ञा पालन हेतु प्रेरणा में योगदान	69	63	63.07	68.92
6	शैक्षणिक वातावरण का समाज में एक सम्मानित व्यक्ति के रूप में विकास में योगदान	61	70	62.59	68.40
7	शैक्षणिक वातावरण का अपने परिवार के प्रति दायित्वों को समझने में भूमिका	63	75	65.93	72.06
8	शिक्षा का मेरी अपनी बात को किसी से भी सुचारु रूप से कहने की क्षमता विकसित करने में योगदान	67	73	66.89	73.10
9	शैक्षणिक वातावरण का मुझे सामाज के गरीब व असहाय व्यक्तियों की मदद करने की प्रेरणा में योगदान	63	75	65.93	72.06
10	शिक्षा के माध्यम से समाज की सेवा की चाहत	67	74	67.37	73.62

1.8 निष्कर्ष:

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 4, April- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

उपरोक्त दो तालिकाओं के आधार पर प्राप्त काई -स्क्वायर मान और सूत्र $X^2 = \sum \frac{(O-E)^2}{E}$ लागू करने पर हमें काई-स्क्वायर का मान 2.316 प्राप्त होता है।

काई-स्क्वायर के साथ पहली परिकल्पना का अंतिम परीक्षण इस प्रकार है:

1. स्वतंत्रता की डिग्री- 9

2. महत्व का स्तर- 0.05

3. काई स्क्वायर (A) का परिकलित मान-2.316

4. काई स्क्वायर (B) का सारणीबद्ध मान- 16.92

5.परिणाम की व्याख्या- जैसा कि (B)>(A),

छात्रों और छात्राओं की प्रतिक्रियाओं के बीच संबंध है इसलिए, उपरोक्त परीक्षण से यह देखा जा सकता है कि परिकल्पना स्वीकार की जाती है। काई -स्क्वायर परीक्षण इस बात की पुष्टि करता है कि इस संबंध में छात्रों और छात्राओं दोनों की राय जुड़ी हुई है।

सन्दर्भ:

1. Edgerton E, McKechnie J. The relationship between student's perceptions of their school environment and academic achievement. Front Psychol. 2023 Feb 1;13:959259. doi: 10.3389/fpsyg.2022.959259. PMID: 36817376; PMCID: PMC9929545.

2. Verma, Ritesh & Purushottam, Arvind & Petare, Head & Shamim, Mohd & Gupta, Tania & Singh, Gurkirpal. (2023). Exploring The Impact of Virtual Learning Environments on Student Engagement and Academic Achievement. 10.13140/RG.2.2.23223.91040.

3. Rajput, Priya & Bala, Indu. (2023). Relationship between Educational Adjustment and Academic Achievement among Adolescents. 11. 2860-2867. 10.25215/1102.279.

4. Munir, javeria & Faiza, Mehreen & Daud, Sana. (2023). The Impact of Socio-economic Status on Academic Achievement. 3. 695-705. 10.54183/jssr.v3i2.308.

5. Eswari, Raji & Jeryda, J. (2023). Adolescent School Students and Social Adjustment -A Psychosocial Study. Journal for Re Attach Therapy and Developmental Diversities. 6. 1-8.

6. Fayaz, R (2023), A Study of Parental Encouragement, Educational Adjustment and Academic Achievement among Adolescent Students of District Anantnag. The International Journal of Indian Psychology ISSN 2348-5396 (Online), ISSN: 2349-3429 (Print) Volume 11, Issue 1, January-March, 2023

7. Khadka, J., Dhakal, R. K., & Joshi, D. R. (2024). Effects of distributed leadership practices on educational environment and achievement in Nepali schools. International Journal of Leadership in Education,1-19.

https://doi.org/10.1080/13603124.2024.2313016

8. Azpiazu, L., Antonio-Aguirre, I., Izar-de-la-Funte, I. et al. School adjustment in adolescence explained by social support, resilience and

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 4, April- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

positive affect. Eur J Psychol Educ (2024). https://doi.org/10.1007/s10212-023-00785-3

9. Yashpal Azad, The Impact of Social, Emotional, and Educational Adjustment on Academic Performance among Male and Female Residential School Students Yashpal Azad, Volume 6, Issue 1, January-February 2024, Pg 1-13